Basant Semester Examination 2025-26

Paper Code: FD6B645P

Paper Title: Textile Studies & Surface design Techniques II

No supplementary answer book will be provided

Max. Marks: 100 **Time: 02 Hrs.**

Part No.	Q. No.	Question in Hindi/ English
(Attempt All Questions. Answer Every question 50 words) (10*4) **(सभी प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर 50 शब्दों में दें।)**		
1.	i.	Differentiate between woven and knitted fabrics. वोवन एवं निटेड फैब्रिक में अंतर लिखिए।
	ii.	What is twill weave? ट्विल वीव क्या है?
	iii.	Define interlock knit. इंटरलॉक निट की परिभाषा दीजिए।
	iv.	State any two uses of lace fabric. लेस फैब्रिक के कोई दो उपयोग लिखिए।
	v.	Define quilting. क्विल्टिंग की परिभाषा दीजिए।
	vi.	What is burn test? बर्न टेस्ट क्या है?
	vii.	What is Patola weaving? पटोला बुनाई क्या है?
	viii.	What is Chikankari embroidery? चिकनकारी कढ़ाई क्या है?
	ix.	What is Bandhani? बंधनी क्या है?
	x.	Define Kalamkari. कलमकारी की परिभाषा दीजिए।
(Attempt All Questions. Answer Every question in 100 words) (5*6) **(सभी प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों में दें।)**		
2.	i.	Explain different types of woven fabrics with suitable examples. विभिन्न प्रकार के वोवन फैब्रिक का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
	ii.	Explain the methods of identifying fabrics using the burn test. बर्न टेस्ट द्वारा फैब्रिक की पहचान की विधि समझाइए।
	iii.	Explain Bandhani dyeing with suitable diagrams. बंधनी रंगाई की प्रक्रिया चित्र सहित समझाइए।
	iv.	Explain appliqué, patchwork and quilting with examples. उदाहरण सहित एप्लिके, पैचवर्क एवं क्विल्टिंग समझाइए।
	v.	Explain the features of Banarasi Brocade and Chanderi fabrics. बनारसी ब्रोकेड एवं चंदेरी वस्त्रों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(Attempt Any 2 Questions. Answer Every question in 300 words) (2*15) **(किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर 300 शब्दों में दें।)**		
3	i.	Explain the history, characteristics and applications of any four traditional Indian weaving crafts. किसी चार भारतीय पारंपरिक बुनाई शिल्पों का इतिहास, विशेषताएँ एवं उपयोग समझाइए।
	ii.	Describe the techniques, motifs and importance of Indian embroidery crafts. भारतीय कढ़ाई शिल्पों की तकनीक, रूपांकन एवं महत्व का वर्णन कीजिए।
	iii.	Describe the role of Indian handloom and handicrafts in promoting global fashion and textile heritage. वैश्विक फैशन एवं वस्त्र विरासत को बढ़ावा देने में भारतीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प की भूमिका का वर्णन कीजिए।